Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 28 September 2024

Dainik Jagran Page - 02

अणु शक्ति से भी प्रबल होती है इच्छाशक्ति

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग में शुक्रवार को एकल व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के सदस्य सचिव डा. ओमजी उपाध्याय ने कहा कि जीवन में सफलता श्रम साध्य और समय साध्य होती है। लक्ष्य का निर्धारण, रणनीति, समर्पण और परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। ऐसे सैकड़ों उदाहरण हैं, जिन्होंने अपने जीवन की सभी विसंगतियों को धता बताते अपने विशिष्ट गुणों के बल पर शिखर तक की यात्रा की। वास्तव में हमारी इच्छा शक्ति अणु शक्ति से भी अधिक प्रबल है। जीतते वहीं हैं, जिनमें जीतने का विश्वास होता है।

बताया कि भारत आंकड़ों के लिहाज से आज युवा आबादी के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा देश है। वास्तव में राष्ट्र की जीवनी शक्ति और ताकत युवाओं के हाथ में ही है। उनकी ऊर्जा, उत्साह, रचनात्मकता अजेय होती है।

वह ऊर्जा के साथ काम करते हुए और अपने विरासत पर गर्व करते हुए भारत को एक बार फिर विश्वगुरु बनाएंगे। अतिथि परिचय प्रो. राजवंत राव ने कराया। इस अवसर पर डा. रामप्यारे मिश्र, प्रो. सुधारक लाल श्रीवास्तव, डा. पद्मजा सिंह, डा. नरेंद्र यादव, डा. विनोद कुमार आदि मौजूद रहे। (विज्ञप्ति) ।

गोवि ने जारी किया शोध पात्रता परीक्षा का परिणाम

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की शोध पात्रता परीक्षा-2023-24 की लिखित परीक्षा के परिणाम शुक्रवार की देर शाम घोषित कर दिए गए। सफल अभ्यर्थियों को संबंधित विभागों में चार से सात अक्टूबर बीच समस्त अंकपत्रों एवं प्रमाणपत्रों का सत्यापन कराना होगा।

जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो.हर्ष कुमार सिन्हा ने बताया कि परीक्षा का परिणाम विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल www.dduguadmission.in पर शनिवार की सुबह से देखा जा सकेगा। विभागों में प्रमाणपत्र सत्यापन के बाद अभ्यर्थियों को 10 अक्टूबर तक आनलाइन शुल्क जमा करना होगा। विश्वविद्यालय की ओर से कुल 36 विषयों में पूर्णकालिक शोध कार्यक्रम के लिए परिसर की 391 और महाविद्यालयों की 413 सीटों के लिए प्रवेश परीक्षा दो चरणों में आयोजित की गई थी। लिखित परीक्षा में अर्हता हासिल करने वाले अभ्यर्थियों का साक्षात्कार नौ से 13 सितंबर के बीच संबंधित विभाग में लिया गया था। दोनों परीक्षाओं में प्राप्त अंकों के आधार पर अंतिम परिणाम घोषित किया गया।

Rashtriya Sahara Page 07

अणु शक्ति से भी प्रबल इच्छा शक्ति : डा. ओमजी

■ डीडीयू में व्याख्यान

■ इतिहास घटनाओं नहीं, विचारों का होता है: प्रो. राजवन्त राव

गोरखपुर (एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग में 26 सितम्बर को आयोजित एकल व्याख्यान में आमंत्रित अतिथि वक्ता भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के सदस्य सचिव डा. ओमजी उपाध्याय ने अपने विचारोत्तेजक संबोधन में कहा कि जीवन में सफलता श्रम साध्य और समय साध्य होती है।

लक्ष्य का निर्धारण, रणनीति, समर्पण और परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। ऐसे सैकड़ों उदाहरण हैं, जिन्होंने अपने जीवन की सभी विसंगतियों को धता बताते हुए केवल इन्हीं गुणों के बल पर शिखर तक की यात्रा की। वास्तव में हमारी इच्छा शक्ति अणु शक्ति से भी अधिक प्रबल है। जीतते वहीं हैं, जिनमें जीतने का विश्वास होता है। हेलेन केलर अंधी, गूंगी और बहरी थी, फिर भी खूब पढ़ी और दुनिया की प्रारंभिक पीएचडी में उसका नाम अग्रणी है। विल्मा रुडोल्फ बचपन में ही लकवाग्रस्त हो गया था, लेकिन केवल अपने दृढ़ निश्चय और परिश्रम के दम पर उसने ओलंपिक में चार स्वर्ण पदक जीते। हमारे आसपास भी ऐसे ढेर सारे उदाहरण हमें मिल जाते हैं। सफलता का एक ही सूत्र है- सही दिशा, समर्पण, अनुशासन और समयबद्धता। अपने प्रयासों पर विश्वास कीजिए तो कोई भी मंजिल बड़ी और दूर नहीं, और हां, यह मत भूलिए कि हम आनंद की संततियां हैं। तितली का जीवन केवल 14 दिन का होता है किंतु अपने पूरे जीवन में वह प्रसन्नता बिखेरती है।

उन्होंने दो पत्थरों की कथा सुनाते हुए कहा कि यह मानते हुए कि पत्थर बोल सकते हैं, जब एक पत्थर से पूछा गया कि क्या आप खुद को मूर्ति बनाए जाने के लिए तैयार हैं लेकिन इस प्रक्रिया में आप पर छेनी- हथौड़ी और ब्रश चलाया जाएगा। क्या आप इस वेदना या दर्द से गुजरने के लिए तैयार है उसके मना करने पर दूसरे पत्थर ने स्वीकार किया और मूर्ति बनकर तैयार हुई वास्तव में मूर्ति वरेण्य इसीलिए होती है क्योंकि उसने तराशे जाने का दर्द सहा होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को इसी प्रक्रिया से गुजरने का आह्वान किया। बिना संकटों से जूझे या आग में गले सोना बनता नहीं।

उन्होंने बताया कि भारत आंकड़ों के लिहाज से आज युवा आबादी के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा देश है। वास्तव में राष्ट्र की जीवनी शक्ति और ताकत युवाओं के हाथ में ही है। उनकी ऊर्जा, उत्साह, रचनात्मकता अजेय होती है। यह भारत का अमृत काल है साथ ही आपका भी। भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने, शिक्षा, चिकित्सा परिवहन, डिजिटाइजेशन इन सब क्षेत्रों में दुनिया में सिरमौर बनने का यह दौर चल रहा है। युवा रोजगार प्रदाता के रूप में भी उभरे हैं। भारत आज 340 अरब डालर के 100 यूनिकार्न के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी स्टार्टअप इकोसिस्टम के रूप में उभरा है। यह राष्ट्र जीवन का विशेष कालखंड है, जब हम लंबी छलांगें लगा रहे हैं। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य केवल और केवल युवाओं पर निर्भर है। इसलिए उसी ऊर्जा के साथ काम करते हुए, अपने विरासत पर गर्व करते हुए और गुलामी की मानसिकता से मुक्त होते हुए हम फिर से भारत को विश्व गुरु के रूप में निश्चित रूप से स्थापित करेंगे।

प्रोफेसर राजवंत राव ने कहा कि हमारे राष्ट्रवादी इतिहासकारों ने 20वीं शताब्दी के आरंभ में पश्चिमी विचार तंत्र के समानांतर भारतीय विचार तंत्र को खड़ा किया उन्होंने डा. ओमजी उपाध्याय का परिचय कराते हुए कहा कि भारतीय चित्र के अनुरूप इतिहास लेखन के हामी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि निरंतर के साथ परिश्रम करते रहने से परिणाम निकलता है। परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर प्रज्ञा चतुर्वेदी ने प्राचीन इतिहास विभाग के गौरवशाली परंपरा को बताते हुए ओम जी उपाध्याय को भी एक बड़ी एक कड़ी बताया। सो छात्रों ने ओमजी उपाध्याय से बहुत सारे प्रश्न किया जिसका विवेक सम्मत उत्तर ओम जी द्वारा दिया गया। इस संवाद कार्यक्रम में दो रामप्यारी मिश्रा, डा. सुधाकर लाल, डा. पद्मजा सिंह, डा. नरेंद्र यादव, डा. विनोद कुमार आदि उपस्थित रहे।

Amar Ujala Page - 07

'आत्मनिर्भर भारत के लिए हर मायने में बनना होगा स्वतंत्र'

डीडीयू में आत्मनिर्भर भारत विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के रोवर रेंजर्स अनुभाग पर शुक्रवार को आत्मनिर्भर भारत विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

रोवर रेंजर संयोजक प्रो. विनय कुमार सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान जिसका उद्देश्य देश और उसके नागरिकों को हर मायने में स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के लिए पांच स्तंभों अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे, प्रणाली, जीवंत जनसांख्यिकी और मांग को प्रमुख रूप से रेखांकित किया।

कार्यक्रम में संस्कृत विभाग की डॉ. रंजनलता ने रोवर रेंजर के छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया। भाषण प्रतियोगिता में दिव्या साहनी, सुमित विश्वकर्मा, प्रदीप कुमार, आदर्श मिश्रा आदि ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत सात क्षेत्रों में सरकारी सुधारों और समर्थन की बात की।

सरकार ने आत्मनिर्भर लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में कृषि के लिए आपूर्ति श्रृंखला सुधार, तर्कसंगत कर प्रणाली, सरल और स्पष्ट कानून, सक्षम मानव संसाधन और मजबूत वित्तीय प्रणाली जैसे सुधार किए। इस अवसर पर रोहित सैनी, सूरज, शिवा, आदर्श मिश्रा, मानुस कसेरा, आमिना खातून आदि उपस्थित रहे।

शोध पात्रता परीक्षा का परिणाम जारी प्रमाण पत्रों का सत्यापन 4 से 7 तक

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की शोध पात्रता परीक्षा (रेट 2023) की लिखित परीक्षा के परिणाम शुक्रवार को घोषित कर दिए गए। सफल अभ्यर्थी संबंधित विभागों में 4 से 7 अक्टूबर के बीच समस्त अंक और प्रमाणपत्रों के सत्यापन के लिए उपस्थित होंगे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने बताया कि रेट 2023 परीक्षा के परिणाम विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल www.dduguadmission.in पर शनिवार सुबह से देखे जा सकेंगे। विभागों में प्रमाणपत्र सत्यापन के बाद अभ्यर्थियों को 10 अक्टूबर तक ऑनलाइन शुल्क जमा करना होगा। बता दें कि कुल 36 विषयों में पूर्णकालिक शोध कार्यक्रम के लिए परिसर की 391 और महाविद्यालयों की 413 सीटों के लिए प्रवेश परीक्षा दो चरणों में आयोजित की गई थी। दोनों परीक्षाओं में प्राप्त अंकों के आधार पर अंतिम परिणाम घोषित किया गया। संवाद

क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष प्रो. विमलेश का कार्यकाल बढ़ा

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रो. विमलेश मिश्र क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष बने रहेंगे। कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने बताया कि एक वर्ष या अगले आदेश तक के लिए कार्यकाल विस्तारित किया गया है। पिछले वर्ष वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का सफल आयोजन हुआ था। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था। इसे ही कार्यकाल विस्तार का कारण माना जा रहा है। जल्द ही वे क्रीड़ा परिषद की अपनी टीम नए सिरे से तैयार करेंगे। संवाद

डीडीयू और भारत केयर्स के बीच एमओयू छात्रों को इंटर्नशिप के साथ मिलेगा भत्ता

समाजशास्त्र विभाग ने की करार की पहल, इंटर्नशिप के लिए संचालित होगी योजना

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं भारत केयर्स के बीच एमओयू के दौरान मौजूद कुलपति प्रो. पूनम टंडन, डीएसडब्ल्यू प्रो. अनुभूति दुबे व अन्य।

गोरखपुर। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर एवं भारत केयर्स के बीच एमओयू हुआ है। इस एमओयू की पहल समाजशास्त्र विभाग की ओर से की गई। ...

'अणु शक्ति से भी प्रबल होती है इच्छा शक्ति'

आईसीएचआर के सदस्य सचिव डॉ. ओमजी उपाध्याय ने रखा विचार

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग में शुक्रवार को एकल व्याख्यान का आयोजन हुआ। भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के सदस्य सचिव डॉ. ओमजी उपाध्याय ने कहा कि जीवन में सफलता श्रम साध्य और समय साध्य होती है। लक्ष्य का निर्धारण, रणनीति, समर्पण और परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। ...

डीडीयू ने ऑनलाइन एनओसी आंध्रा यूनिवर्सिटी को भेजी

संकट में प्रोफेसर का आवेदन, प्रो. जोन्नादा एवीपी राव ने कुलपति के लिए किया था आवेदन

संवाद न्यूज एजेंसी

क्लियर एनओसी नहीं मिलने पर कुलसचिव कार्यालय में धरने पर बैठे थे प्रोफेसर

27 सितंबर को प्रकाशित खबर।

प्रो. जोन्नादा एवीपी राव की वास्तविक एनओसी को संबंधित यूनिवर्सिटी को ईमेल कर दिया गया है। कारण बताओ नोटिस का जवाब मिलने पर आगे की कार्रवाई पर विचार किया जाएगा। -प्रो. शांतनु रस्तोगी, कुलसचिव, डीडीयू

गोरखपुर। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलसचिव कार्यालय में बुधवार की रात धरना देने वाले प्रोफेसर जोन्नादा एवीपी राव की एनओसी विश्वविद्यालय प्रशासन ने आंध्रा यूनिवर्सिटी को ऑनलाइन भेज दिया है। यह एनओसी वही है, जिसे बदलने के लिए प्रोफेसर धरने पर बैठे थे।

इसमें प्रोफेसर के पूर्व निलंबन, वेतन बाधित होने और बिना बताए यूनिवर्सिटी से गायब रहने आदि का जिक्र है। ऐसे में प्रोफेसर को क्लियर एनओसी नहीं मिलने पर उनके चयन पर संकट आ सकता है।

मूलतः आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम के रहने वाले गोरखपुर विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के प्रोफेसर जोन्नादा एवीपी राव ने कुलपति पद के आवेदन करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन से एनओसी (नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट) की मांग की थी। बुधवार की शाम को विश्वविद्यालय ने उनको एनओसी देने के साथ उसमें पूर्व में उनपर हुई कार्यवाही को भी अंकित किया। वह क्लियर एनओसी की मांग को लेकर शाम करीब सात बजे कुलसचिव कार्यालय में धरने पर बैठ गए।

Amar Ujala Select Page 02, 04

मेधा के 'सफरनामा' का विमोचन आज

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में मेधा के 10 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस अवसर पर 28 सितंबर को पूर्वाह्न 10:30 बजे से कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। बीज वक्तव्य प्रधानमंत्री के पूर्व सलाहकार अमरजीत सिन्हा (पूर्व आईएएस) बीज वक्तव्य देंगे। कुलपति प्रो. पूनम टंडन इसकी अध्यक्षता करेंगी। डीडीयू के पूर्व कुलपति प्रो. अशोक कुमार विशिष्ट अतिथि होंगे। इस अवसर पर संस्था के 10 वर्षों के सफर पर लिखी गई पुस्तक 'सफरनामा' का विमोचन भी किया जाएगा। यह जानकारी स्वाति सिंह ने दी है।

शोध पात्रता परीक्षा (रेट) का परिणाम जारी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की शोध पात्रता परीक्षा (रेट 2023) की लिखित परीक्षा के परिणाम शुक्रवार को घोषित कर दिए गए। सफल अभ्यर्थी संबंधित विभागों में 4 से 7 अक्टूबर के बीच समस्त अंक और प्रमाणपत्रों के सत्यापन के लिए उपस्थित होंगे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने बताया कि रेट 2023 परीक्षा के परिणाम विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल www.dduguadmission.in पर शनिवार सुबह से देखे जा सकेंगे। विभागों में प्रमाणपत्र सत्यापन के बाद अभ्यर्थियों को 10 अक्टूबर तक ऑनलाइन शुल्क जमा करना होगा। बता दें कि कुल 36 विषयों में पूर्णकालिक शोध कार्यक्रम के लिए परिसर की 391 और महाविद्यालयों की 413 सीटों के लिए प्रवेश परीक्षा दो चरणों में आयोजित की गई थी। पहले आयोजित लिखित परीक्षा में अर्हता हासिल करने वाले अभ्यर्थियों के साक्षात्कार एवं प्रेजेंटेशन की प्रक्रिया विगत 9 से 13 सितंबर तक संबंधित विभागों में हुई थी।

डीडीयू के प्राचीन इतिहास विभाग में एकल व्याख्यान आयोजित, विद्यार्थियों ने सवाल पूछ जिज्ञासा शांत की

डीडीयू के प्राचीन इतिहास विभाग में आयोजित एकल व्याख्यान में भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के सदस्य सचिव डॉ. ओमजी उपाध्याय व अन्य।

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग में शुक्रवार को एकल व्याख्यान का आयोजन हुआ। भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के सदस्य सचिव डॉ. ओमजी उपाध्याय ने कहा कि जीवन में सफलता श्रम साध्य और समय साध्य होती है। ... कुंजी है।

उन्होंने कहा कि ऐसे सैकड़ों उदाहरण हैं, जिन्होंने अपने जीवन की सभी विसंगतियों को धता बताते हुए केवल इन्हीं गुणों के बल पर शिखर तक की यात्रा की। वास्तव में हमारी इच्छा शक्ति अणु शक्ति से भी अधिक प्रबल है। जीतते वहीं हैं, जिनमें जीतने का विश्वास होता है। भारत आंकड़ों के लिहाज से आज युवा आबादी के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा देश है। वास्तव में राष्ट्र की जीवनी शक्ति और ताकत युवाओं के हाथ में ही है। भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने, शिक्षा, चिकित्सा परिवहन, डिजिटलाइजेशन इन सब क्षेत्रों में दुनिया में सिरमौर बनने का यह दौर चल रहा है। युवा रोजगार प्रदाता के रूप में भी उभरे हैं। भारत आज 340 अरब डॉलर के 100 यूनिकॉर्न के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी स्टार्टअप इकोसिस्टम के रूप में उभरा है। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य केवल और केवल युवाओं पर निर्भर है।

कला संकाय अधिष्ठाता प्रो. राजवंत राव ने कहा कि हमारे राष्ट्रवादी इतिहासकारों ने 20वीं शताब्दी के आरंभ में पश्चिमी विचार तंत्र के समानांतर भारतीय विचार तंत्र को खड़ा किया।

आत्मनिर्भर भारत के लिए हर मायने में बनाना होगा स्वतंत्र : प्रो. विनय

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के रोवर रेंजर्स अनुभाग पर शुक्रवार को आत्मनिर्भर भारत विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रोवर रेंजर संयोजक प्रो. विनय कुमार सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान जिसका उद्देश्य देश और उसके नागरिकों को हर मायने में स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के लिए पांच स्तंभों अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे, प्रणाली, जीवंत जनसांख्यिकी और मांग को प्रमुख रूप से रेखांकित किया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग की डॉ. रंजनलता ने रोवर रैंजर के छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया। भाषण प्रतियोगिता में दिव्या साहनी, सुमित विश्वकर्मा, प्रदीप कुमार, आदर्श मिश्रा आदि ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत सात क्षेत्रों में सरकारी सुधारों और समर्थन की बात की।

डीडीयू व भारत केयर्स के बीच करार

समाजशास्त्र विभाग की ओर से की गई पहल

गोरखपुर। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर एवं भारत केयर्स के बीच एमओयू हुआ है। इस एमओयू की पहल समाजशास्त्र विभाग की ओर से की गई। इसके अंतर्गत सोशल साइंस के स्टूडेंट्स को इंटर्नशिप कराई जाएगी। इसके पहले चरण में विश्वविद्यालय के चयनित विद्यार्थियों को नेशनल ओरल हेल्थ मिशन के तहत प्रशिक्षित करने और एक महीने का इंटर्नशिप कराया जाएगा।

इंटर्नशिप के साथ प्रमाणपत्र एवं स्टाइपेंड भी दिया जाएगा। सीएसआर के सहयोग से विद्यार्थियों को सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के लिए भारत केयर्स के चयनित विद्यार्थियों को सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए ओरल हेल्थ ट्रेनर के रूप में कार्य कराएंगे। कुलपति ...

कल्याण अधिष्ठाता (डीएसडब्ल्यू) प्रो. अनुभूति दूबे, समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनुराग द्विवेदी एवं प्रो. डॉ. मनीष पांडेय की उपस्थिति में एमओयू की प्रक्रिया पूरा कराया। ...

गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि ...

डीडीयू ने ऑनलाइन एनओसी आंध्रा यूनिवर्सिटी को भेजी...

संकट में प्रोफेसर जोन्नादा एवीपी राव का आवेदन

गोरखपुर। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलसचिव कार्यालय में बुधवार की रात धरना देने वाले प्रोफेसर जोन्नादा एवीपी राव की एनओसी विश्वविद्यालय प्रशासन ने आंध्रा यूनिवर्सिटी को ऑनलाइन भेज दिया है।

यह एनओसी वही है, जिसे बदलने के लिए प्रोफेसर धरने पर बैठे थे। इसमें प्रोफेसर के पूर्व निलंबन, वेतन बाधित होने और बिना बताए यूनिवर्सिटी से गायब रहने आदि का जिक्र है। ऐसे में प्रोफेसर को क्लियर एनओसी नहीं मिलने पर उनके चयन पर संकट आ सकता है।

मूलतः आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम के रहने वाले गोरखपुर विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के प्रोफेसर जोन्नादा एवीपी राव ने कुलपति पद के आवेदन करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन से एनओसी (नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट) की मांग की थी। बुधवार की शाम को विश्वविद्यालय ने उनको एनओसी देने के साथ उसमें पूर्व में उनपर हुई कार्यवाही को भी अंकित किया। वह क्लियर एनओसी की मांग को लेकर शाम करीब सात बजे कुलसचिव कार्यालय में धरने पर बैठ गए।

Hindustan Page - 02, 04, 06

एमओयू: इंटर्नशिप के साथ-साथ छात्रों को दिया जाएगा प्रमाणपत्र और स्टाइपेंड

■ विवि और भारतकेयर्स के बीच एमओयू, छात्रों को कराई जाएगी इंटर्नशिप

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू और भारतकेयर्स के बीच महत्वपूर्ण समझौता (एमओयू) हुआ है, जिसकी पहल समाजशास्त्र विभाग द्वारा की गई। इस एमओयू के तहत सोशल साइंस के छात्रों को इंटर्नशिप का अवसर प्रदान किया जाएगा। पहले चरण में चयनित छात्रों को नेशनल ओरल हेल्थ मिशन के तहत प्रशिक्षित किया जाएगा और एक महीने की इंटर्नशिप कराई जाएगी। इंटर्नशिप के साथ-साथ छात्रों को प्रमाणपत्र और स्टाइपेंड भी दिया जाएगा।

इंटर्नशिप के दौरान छात्रों को सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए ओरल हेल्थ ट्रेनर के रूप में कार्य कराया जाएगा। एमओयू की प्रक्रिया कुलपति प्रो. पूनम टंडन के मार्गदर्शन में, डीएसडब्ल्यू प्रो. अनुभूति दुबे, समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनुराग द्विवेदी और प्रो. डॉ. मनीष पांडेय की उपस्थिति में संपन्न हुई।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. टंडन ने कहा कि सीएसआर के सहयोग से विश्वविद्यालय के छात्रों को निरंतर सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास हो रहा है। भारतकेयर्स के साथ यह समझौता छात्रों को सामाजिक समाधान के कार्यों में विशेषज्ञ बनने का अवसर देगा। यह उल्लेखनीय है कि भारतकेयर्स भारत के शीर्ष 50 सामाजिक प्रभाव संगठनों में से एक है और एसएमईसी ट्रस्ट के तहत संचालित होता है। इसका उद्देश्य नवाचार, प्रौद्योगिकी और मापनीयता के सिद्धांतों के माध्यम से सामाजिक चुनौतियों का व्यापक समाधान करना है। समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनुराग द्विवेदी ने बताया कि नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत ज्ञान के व्यावहारिक पक्ष पर विशेष जोर दिया गया है। इस इंटर्नशिप से छात्रों को फील्ड वर्क का अनुभव प्राप्त होगा और उन्हें आर्थिक सहयोग भी मिलेगा।

रेट का परिणाम जारी, चार से होगा प्रमाण पत्रों का सत्यापन

डीडीयू

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की शोध पात्रता परीक्षा (रेट 2023) की लिखित परीक्षा के परिणाम शुक्रवार को घोषित कर दिए गए। सफल अभ्यर्थी संबंधित विभागों में 4 से 7 अक्टूबर के बीच समस्त अंकपत्रों एवं प्रमाणपत्रों के सत्यापन के लिए उपस्थित होंगे।

यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने बताया कि रेट 2023 परीक्षा के परिणाम विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल www.dduguadmission.in पर शनिवार सुबह से देखे जा सकेंगे। विभागों में प्रमाणपत्र सत्यापन के बाद अभ्यर्थियों को 10 अक्टूबर तक ऑनलाइन शुल्क जमा करना होगा।

बता दें कि कुल 36 विषयों में पूर्णकालिक शोध कार्यक्रम के लिए परिसर की 391 और महाविद्यालयों की 413 सीटों के लिए प्रवेश परीक्षा दो चरणों में आयोजित की गई थी। पहले आयोजित लिखित परीक्षा में अर्हता हासिल करने वाले अभ्यर्थियों के साक्षात्कार एवं प्रेजेंटेशन की प्रक्रिया विगत 9 से 13 सितंबर तक संबंधित विभागों में हुई थी। दोनों परीक्षाओं में प्राप्त अंकों के आधार पर अंतिम परिणाम घोषित किया गया।

क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष बने रहेंगे प्रो. विमलेश

गोरखपुर। डीडीयू के हिन्दी विभाग के प्रो. विमलेश मिश्र क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष बने रहेंगे। कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने बताया कि एक वर्ष या अगले आदेश तक के लिए कार्यकाल विस्तारित किया गया है। पिछले वर्ष वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का सफल आयोजन हुआ था। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था। जल्द ही वे क्रीड़ा परिषद की अपनी टीम नए सिरे से तैयार करेंगे।

बीफॉर्म व डीफॉर्म में 30 से मिलेगा छात्रों का प्रवेश

गोरखपुर। डीडीयू के बीफॉर्म व डीफॉर्म पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए परिणाम गुरुवार को घोषित कर दिया गया। प्रमाण पत्रों का सत्यापन और प्रवेश 30 सितंबर को होगा। अभ्यर्थी अपना रिजल्ट प्रवेश पोर्टल www.ddugud mission.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

मेधा के 'सफरनामा' का विमोचन आज

गोरखपुर। डीडीयू में मेधा के 10 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस अवसर पर 28 सितंबर को पूर्वाह्न 10:30 बजे से कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। बीज वक्तव्य प्रधानमंत्री के पूर्व सलाहकार अमरजीत सिन्हा (पूर्व आईएएस) बीज वक्तव्य देंगे। कुलपति प्रो. पूनम टंडन इसकी अध्यक्षता करेंगी। डीडीयू के पूर्व कुलपति प्रो. अशोक कुमार विशिष्ट अतिथि होंगे।

जय मंगल राव ने वित्त अधिकारी का कार्यभार संभाला

गोरखपुर। डीडीयू के वित्त अधिकारी के रूप में जय मंगल राव ने कार्यभार संभाल लिया है। शासन द्वारा उन्हें बीते 30 जून को डीडीयू का वित्त अधिकारी बनाया गया था। वे अब तक राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ में वित्त नियंत्रक थे। उन्होंने गोरखपुर के मुख्य कोषाधिकारी प्रवीण सिंह से कार्यभार ग्रहण किया। डीडीयू के लेखाधिकारी डीसी लाल का स्थानांतरण ऑडिट विभाग में हो गया था। जिला पंचायत में नियुक्त जय गोबिंद सिंह ने कार्यवाहक लेखाधिकारी के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

अणु शक्ति से भी प्रबल है इच्छा शक्ति

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू के प्राचीन इतिहास विभाग में आयोजित एकल व्याख्यान में मुख्य अतिथि डॉ. ओमजी उपाध्याय (भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के सदस्य सचिव) ने कहा कि जीवन में सफलता श्रमसाध्य और समयसाध्य होती है। लक्ष्य का निर्धारण, रणनीति, समर्पण और परिश्रम ही सफलता की कुंजी है।

उन्होंने बताया कि इच्छा शक्ति अणु शक्ति से भी अधिक प्रबल होती है। सफलता उन्हीं को मिलती है जिनमें जीतने का विश्वास होता है। प्रो. राजवंत राव ने राष्ट्रवादी इतिहासकारों द्वारा भारतीय विचार तंत्र की स्थापना का जिक्र करते हुए कहा कि परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है।

विभाग की अध्यक्ष प्रो. प्रज्ञा चतुर्वेदी ने विभाग की गौरवशाली परंपरा का उल्लेख किया और डॉ. उपाध्याय को इसका महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। इस अवसर पर डॉ. रामप्यारी मिश्रा, डॉ. सुधाकर लाल, डॉ. पद्मजा सिंह, डॉ. नरेंद्र यादव और डॉ. विनोद कुमार उपस्थित रहे।

आत्मनिर्भर भारत अभियान का उद्देश्य हर मायने में स्वतंत्रता

गोरखपुर। डीडीयू के रोवर रेंजर्स अनुभाग में शुक्रवार को 'आत्मनिर्भर भारत' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संचालक रोवर रेंजर संयोजक प्रोफेसर विनय कुमार सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान का उद्देश्य देश और उसके नागरिकों को हर मायने में स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनाना है।

प्रो. सिंह ने आत्मनिर्भर भारत के पांच स्तंभ अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे, प्रणाली, जीवंत जनसांख्यिकी और मांग को रेखांकित किया।

छात्रों को इतिहास के महत्व को जानने का मिला मौका

गोरखपुर। डीडीयू के होटल प्रबंधन एवं खानपान प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएचएमसीटी) ने विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर हेरिटेज वॉक का आयोजन कुलपति प्रो. पूनम टंडन और अधिष्ठाता वाणिज्य प्रो. श्रीवर्धन पाठक के नेतृत्व में किया गया।

इस आयोजन से छात्रों को वास्तविक जीवन में पर्यटन से जुड़े विभिन्न पहलुओं को समझने का अवसर मिला। इससे उन्हें स्थानीय संस्कृति और इतिहास के महत्व को जानने का भी मौका मिला। प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि इस हेरिटेज वॉक का उद्देश्य छात्रों में स्थानीय धरोहरों और सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाना था जिससे वे पर्यटन और होटल प्रबंधन के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकें।

Inext Page - 01, 04

10 साल में तैयार हुए 4700 'मेधा'

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (27 Sept): छात्रों के कौशल और रोजगार क्षमता को बढ़ाने के लिए नॉन-प्राफिट संस्था मेधा और गोरखपुर यूनिवर्सिटी के बीच करीब 10 साल पहले करार हुआ था. बीते सालों में संस्था ने यूनिवर्सिटी के करीब 4700 से अधिक छात्रों को इंडस्ट्री इंट्रोडक्शन दिलाया. इसके साथ ही उन्हें वर्क एक्सपीरियंस और वर्क कल्चर का अनुभव भी दिलाया. वहीं, संस्था की ओर से करीब 1000 से अधिक छात्रों को वर्क प्लेस का अनुभव भी पढ़ाई के दौरान ही दिया गया, जिससे उन्हें भविष्य में रोजगार प्राप्त करने में काफी मदद मिली. इसके साथ ही तेजी से उनका स्किल डेवलपमेंट हो सके. शनिवार को सफलता के दस साल पूरे होने पर कंपनी की ओर से सफरनामा प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है.

कल होगा सफरनामा का विमोचन

इस आयोजन में यूनिवर्सिटी की वर्तमान कुलपति प्रो. पूनम टंडन, पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अमरजीत सिन्हा, पूर्व कुलपति प्रो. अशोक कुमार और मेधा के सह- संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशक व्योमकेश मिश्रा ने 'सफरनामा' पुस्तक का विमोचन करेंगे. 10 सालों में स्टूडेंट्स के वेलफेयर वर्क्स का कलेक्शन है. बीते एक दशक में संस्था ने 2000 से अधिक स्टूडेंट्स को बेहतर करियर के लिए तैयार किया है. संस्था के एक्सपर्ट ट्रेनर्स ने 2600 स्टूडेंट्स को अंग्रेजी व अन्य भाषाओं की ट्रेनिंग देते हुए स्किल्ड बनाया है.

बेहतर कंपनियों में दिलाया रोजगार

मेधा संस्था ने देश की नामी कंपनियों से संपर्क स्थापित कर वहां की रिक्वायरमेंट के मुताबिक ...

रोजगार का मौका

साल	प्लेसमेंट	इंटर्नशिप
2015-16	4	0
2016- 17	10	51

"यूनिवर्सिटी ने मेधा संस्था से जिस उद्देश्य से करार किया था. संस्था ...

आत्मनिर्भर भारत के लिए सभी मायनों में बनना होगा स्वतंत्र

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (27 Sept): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के रोवर रेंजर्स अनुभाग पर शुक्रवार को आत्मनिर्भर भारत विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें रोवर रेंजर संयोजक प्रो. विनय सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान जिसका उद्देश्य देश और उसके नागरिकों को हर मायने में स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनाना है. कार्यक्रम में संस्कृत विभाग की डॉ. रंजनलता ने रोवर रेंजर के छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया. भाषण प्रतियोगिता में दिव्या साहनी, सुमित विश्वकर्मा, प्रदीप कुमार, आदर्श मिश्रा, सैनी, सूरज चन्द, शिवा कुमार, आदर्श मिश्रा, मानुस कसेरा, आमिना खातून आदि उपस्थित रहे.

Nirbhik India

■ विश्व पर्यटन दिवस पर हेरिटेज वॉक का आयोजन

गोरखपुर विश्वविद्यालय के होटल प्रबंधन विभाग रहा मेजबान

गोरखपुर, संवाददाता- कुलपति प्रो. पूनम टंडन ...